आजीविका हेतु सहायता

जुलाई 2025

ROSA SANSTHAN

BALRAMPUR U.P

आजीविका संवर्धन रिपोर्ट
जनवरी 25 से जुलाई 25 तक

प्रस्तावना-

बलरामपुर ज़िला, उत्तर प्रदेश के तराई क्षेत्र में स्थित है, जहाँ की भौगोलिक व जलवायु परिस्थितियाँ पशुपालन के लिए अनुकूल हैं। यहाँ अधिकांश ग्रामीण आबादी कृषि पर निर्भर है, लेकिन छोटे व सीमांत किसान तथा भूमिहीन परिवार कृषि आय के साथ-साथ बकरी पालन को एक अतिरिक्त आय स्रोत के रूप में अपनाते हैं।

भौगोलिक एवं जलवायु लाभ

- **तराई क्षेत्र में हरी चारा, झाड़ियाँ और खुले चरागाह उपलब्ध हैं, जो बकरियों के लिए उपयुक्त आहार प्रदान करते हैं।**
- **हल्की जलवायु और समतल भूमि बकरियों की सेहत और उत्पादन क्षमता के लिए लाभकारी है।**

बकरी पालन से जीविका में वृद्धि होने के अवसर- बकरी पालन ग्रामीण क्षेत्रों में जीविका का एक महत्वपूर्ण साधन बन सकता है। यह कम लागत, सरल प्रबंधन और उच्च उत्पादकता के कारण छोटे किसानों और भूमिहीन मजदूरों के लिए आजीविका का स्थायी साधन प्रदान करता है।

1. **आर्थिक लाभ**: दूध, मांस और खाल से आय में वृद्धि होती है।

2. **कम लागत वाला व्यवसाय**: बकरियां कम चारा खाती हैं और कठिन परिस्थितियों में भी जीवित रह सकती हैं।

3. **स्वरोजगार के अवसर**: महिलाएं और बुजुर्ग भी इसे आसानी से कर सकते हैं।

4. **जलवायु अनुकूलता:** बकरियां विभिन्न जलवायु परिस्थितियों में अच्छी तरह से ढल जाती हैं।

5. **तेज प्रजनन दर**: एक बकरी प्रति वर्ष 2-4 बच्चों को जन्म देती है, जिससे पशु संख्या तेजी से बढ़ सकती है

बकरी पालक परिवारों को बकरियों की बीमारियों से होने वाली समस्याएं - बकरियों में आमतौर पर होने वाली बीमारियों और समस्याओं से उत्पादन और लाभ पर प्रभाव पड़ता है।

1. आम बीमारियां:- दस्त, जुखाम, पीपीआर (पेस्ट डेस पेटिट्स रुमिनेंट्स), खुरपका-मुंहपका, पेट के कीड़े, निमोनिया,आदि।

1. बकरी पालन का स्तर:- ग्रामीण परिवारों में बकरी पालन मुख्य रूप से पारंपरिक तरीके से हो रहा है।तकनीकी और व्यावसायिक ज्ञान की कमी है।

2. चुनौतियां:- इलाज और टीकाकरण की कमी, स्वास्थ्य सेवाओं की कमी, गांवों में पशु चिकित्सकों और दवाओं की अनुपलब्धता,रहती है नजदीकी व अनुभवी चिकित्सक का न हो पाना भी शामिल है। बाजार तक पहुंच की कमी, बीमारी प्रबंधन में सुधार की आवश्यकता।

संभावनाएं:- क्षेत्रीय जलवायु बकरी पालन के लिए अनुकूल है। सरकारी योजनाओं और एनजीओ द्वारा सहायता का अवसर। बाज़ार में अच्छा रेट व पहुच|

संस्था द्वारा बलरामपुर में 105 परिवारों का सर्वे किया गया, जिसका मुख्य उद्देश्य यह समझना था कि वर्तमान में बकरी पालन कर रहे परिवार किस प्रकार इसे अपने आजीविका के साधन के रूप में उपयोग कर रहे हैं। सर्वे में यह भी आंका गया कि बकरी पालन के लिए स्थानीय जलवायु कितनी अनुकूल है, उच्च किस्म की नस्लों की उपलब्धता कैसी है तथा बकरियों की मृत्यु दर (मॉर्टालिटी) की वर्तमान स्थिति क्या है। यह अध्ययन क्षेत्र में बकरी पालन की संभावनाओं, चुनौतियों और सुधार के अवसरों की पहचान के लिए किया गया।

विश्लेषण रिपोर्ट:-

- ब्लैक बंगाल नश्ल की बकरिया क्षेत्रीय जलवायु लिए अनुकूल है।
- ब्लैक बंगाल नश्ल की बकरियों में क्षेत्रीय जलवायु के अनुरूप मृत्यु दर में कमी देखने को मिल रहा है|
- क्षेत्रीय जलवायु(तराई क्षेत्र) के अनुसार अन्य नश्ल (जमुनापारी,बरबरी,राजस्थानी नश्ल) की बकरियों में मृत्यु दर अधिक देखने को मिल रहा है|
- इलाज और टीकाकरण व, स्वास्थ्य सेवाओं का समय से पहुच हो अन्य नश्ल की बकरियों का जीवित रहने की सम्भावना है|
- क्षेत्र में सुखा चारे की उपलब्धता में कमी देखने को मिल रहा है|
- बकरी पलकों में कुशल प्रबंधन के जानकरी का अभाव है|
- बकरियों के बीमार होने पर इलाज में अधिक लागत का लगना|
- इलाज और टीकाकरण की कमी, स्वास्थ्य सेवाओं की कमी, गांवों में पशु चिकित्सकों और दवाओं की अनुपलब्धता,रहती है|

1. **सशक्तिकरण:** महिलाओं और गरीब परिवारों के लिए स्वरोजगार का साधन। बकरी पालन आय और पोषण में सुधार करता है।

मांग पत्र :-

1. सरकारी सहायता की मांग:- टीकाकरण और पशु स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता,मुफ्त दवाएं।

2. प्रशिक्षण और शिक्षा:- बकरी पालन के लिए आधुनिक तकनीकों पर कार्यशालाएं। महिलाओं और युवाओं के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम। यह प्रयास न केवल ग्रामीण समुदायों की आय बढ़ाने में सहायक होगा, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने में भी योगदान देगा।

संस्था द्वारा दिया गया सपोर्ट-

बकरी वितरण:

- कुल 31 लाभार्थियों को बकरी वितरण किया गया, प्रत्येक लाभार्थी को बकरी प्रदान की गई।
- बकरियाँ उच्च गुणवत्ता वाली और स्वस्थ थीं, जो आगे चलकर दुग्ध उत्पादन,मीट उत्पादन में सहायक साबित होंगी।

- लाभार्थी उनके विक्रेता को उनकी बकरी की मूल्य देकर लाभार्थियों को बकरी दिलाया गया और प्राप्ति रशीद लिया गया

विक्रेता और वित्तीय प्रक्रिया:

- बकरी विक्रेता को चेक द्वारा भुगतान किया गया।
- विक्रेता ने बकरियाँ वितरण के लिए सभी नियमों और शर्तों का पालन किया।
- सभी बकरियाँ विक्रेता से चेक द्वारा खरीदी गईं, और लाभार्थियों को वितरित की गईं।

कार्यक्रम के अंतर्गत लाभार्थियों की कुल संख्या: 30
संस्था द्वारा सहयोग की गई बकरियाँ (मादा बकरी के मेमने- 10 ,नर बकरी के मेमने- 3 ,बकरी- 50 , कुल संख्या :- 63
कार्यक्रम के आयोजन में कुल समय: 2 दिन (10-01-2025 और 11-01-2025)

कार्यक्रम की समीक्षा:

- लाभार्थियों ने बकरी वितरण कार्यक्रम को सकारात्मक रूप से स्वीकार किया।
- कई लाभार्थियों ने अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि यह कदम उनकी आय बढ़ाने में मदद करेगा।

- रोजा संस्थान द्वारा वितरण में पारदर्शिता और सही तरीके से कार्यक्रम की निगरानी की गई।
- बकरी पालन से संबंधित प्रशिक्षण भी लाभार्थियों को दिया गया, ताकि वे इस कार्य में बेहतर परिणाम प्राप्त कर सकें।

• फालोअप प्रक्रिया :-

माह	फॉलोअप संख्या	प्रमुख गतिविधियाँ	पाए गए निष्कर्ष	सुझाव
जनवरी	2	लाभार्थी से मिलकर प्रारंभिक स्वास्थ्य,बकरी का रखरखाव आदि के बारे में जानकारी लिया गया व कुशल प्रबंधन व रखरखाव के लिए सुझाव दिया गया|	सभी बकरियाँ स्वस्थ तेज बुखार व दस्त के कारण 1 नर मेमने की मृत्यु हो गई	पौष्टिक चारे में वृद्धि की सलाह और बीमारियों से बचाव हेतु समय समय पर टीकाकरण करने की सलाह दिया गया बकरियों के बीमार होने पर पशु चिकित्सक को बुला कर तुरंत इलाज करने की सलाह दिया|
फरवरी	2	155 बकरियों का टीकाकरण कराया गया, प्रधान संस्था व पशुचिकित्सन तुलसीपुर द्वारा लाभार्थियों के	**एस माह 4 बकरियों की वृद्धि हुई जिसमे से (2 मादा मेमना,2 नर मेमना) है** **2 बकरियाँ** हल्की बीमार थी,	समय पर टीकाकरण की सलाह दिया बीमारी बकरियों का तुरंत पशु चिकित्सक द्वारा इलाज करवाने की सलाह दिया गया|

	2	साथ टीकाकरण व प्रथम उपचार हेतु डेमो किया गया, लाभार्थी से मिलकर टीकाकरण के दिन छूट गई उन बकरियों का टीकाकरण करवाने की सलाह दिया गया, और बकरी का रखरखाव कुशल प्रबंधन की स्थिति की जानकारी लिया गया,	12,13,14 फरवरी को बकरियों का टीकाकरण किया गया तेज बुखार व पेट फूलने के कारन 1 नर मेमने की मृत्यु हो गई	4 नए जन्मे मेमनों का ख्याल रखने की सलाह दिया
मार्च	2	लाभार्थी से मिलकर टीकाकरण किये गये बकरियों की स्थिति के बारे में जानकारी लिया गया, बकरी के रहने के लिए उचित प्रबंधन हेतु लाभार्थी से बात करके बकरी घर बनवाने हेतु चर्चा किया गया	इस माह में 3 नए मेमनों की वृद्धि हुई सभी बकरिया सामान्य है, उनके वजन में वृद्धि हो रहा है	स्वच्छता बनाए रखने की सलाह दिया गया, बकरी घर बनवाने की सलाह दिया 3 नए जन्मे मेमनों का ख्याल रखने की सलाह दिया
अप्रैल	2	बकरी घर निर्माण हेतु लाभार्थी का चयन किया गया लाभार्थी से मिलकर बकरियों वृद्धि,स्वास्थ,रखरखाव के बारे में जानकारी लिया गया	इस माह में 13 मेमनों की वृद्धि हुई (8 मादा मेमना,5 नर मेमना) इस माह में 2 मादा मेमनों की बुखार और पेट फूलने से मृत्यु हो गई	पौष्टिक चारे में वृद्धि की सलाह और बीमारियों से बचाव हेतु समय समय पर टीकाकरण करने की सलाह दिया गया बकरियों के बीमार होने पर पशु चिकित्सक को बुला कर तुरंत इलाज करने की सलाह दिया बकरी घर बनवाने की सलाह दिया गया 13 नए जन्मे मेमनों का ख्याल रखने की सलाह दिया

मई	2	बकरी घर निर्माण कार्य,बकरी घर स्थान चिन्हित करने में लाभार्थी का सहयोग किया गया गर्मी से बचाव, उपचार के बारे जानकारी दिया गया और लाभार्थी अभी तक क्या व्यवस्थाए करते आ रहे है उसके बारे में जानकारी प्राप्त किया गया लाभार्थी से मिलकर बकरियों वृद्धि,स्वास्थ,रखरखाव के बारे में जानकारी लिया गया	इस माह में 8 मेमनों की वृद्धि हुई (6 मादा मेमना,2 नर मेमना) इस माह 4 बकरी घर निर्माण हुआ	गर्मी से बचाव, उपचार व छाया और पानी की उचित व्यवस्था के बारे में सलाह दिया गया 8 नए जन्मे मेमनों का ख्याल रखने की सलाह दिया
जून	2	बकरी घर निर्माण कार्य, बकरी घर के उपयोग से लाभ के बारे में चर्चा करना लाभार्थी से मिलकर बकरियों वृद्धि,स्वास्थ,रखरखाव के बारे में जानकारी लिया गया	इस माह 2 बकरी घर निर्माण हुआ इस माह में 7 मेमनों की वृद्धि हुई (2 मादा मेमना,5 नर मेमना) इस माह में बुखार से 2 नर मेमने की मृत्यु हो गई है	पोषणयुक्त आहार की सलाह दिया मौसम के अनुसार बकरियों के रखराखाव के बारे में बताया गया गर्मी से बचाव, उपचार व छाया और पानी की उचित व्यवस्था के बारे में सलाह दिया गया 7 नए जन्मे मेमनों का ख्याल रखने की सलाह दिया
जुलाई	2	लाभार्थी से मिलकर बकरियों वृद्धि,स्वास्थ,रखरखाव के बारे में जानकारी लिया गया बकरी घर के लाभ के बारे में चर्चा किया गया व अन्य लाभार्थी को बकरी बनवाने की सलाह दिया गया लाभार्थी से बकरियों के टीकाकरण करने के लिए कहा गया बकरियों को बारिश से बचाव,उचित उपचार,रखरखाव पर चर्चा किया गया	इस माह में 3 मेमनों की वृद्धि हुई (5 नर मेमना) **जनवरी माह से जुलाई माह तक कुल 38 मेमनों की वृद्धि हुई** **जनवरी माह से जुलाई माह तक कुल 5 मेमनों की मृत्यु हुई** है	3 नए जन्मे मेमनों का ख्याल रखने की सलाह दिया बारिश,गर्मी से बचाव, उपचार व छाया और पानी की उचित व्यवस्था के बारे में सलाह दिया गया

मुख्य बिन्दु :-

- संस्था द्वारा आयोजित तीन दिवसीय टीकाकरण कैंप का आयोजन किया गया, जिसमे सरकारी पशु चिकित्सक के द्वारा प्रतिभाग व सहयोग कर, कैंप में 155 बकरियों का टीकाकरण किया कराया गया|
- 2 दिवसीय कृमिकरण कैंप का आयोजन किया गया|
- प्रदान संस्थान द्वारा रोजा संस्था बलरामपुर टीम को, बकरी पालन,बकरियों के स्वास्थ,प्रथम उपचार, बकरियों का उचित रखरखाव, बकरियों का खान पान,वृद्धि, रोग नियंत्रण,आदि पर प्रशिक्षण दिया गया|
- पशु पलकों के साथ में पशु पालक पाठशाला का आयोजन किया गया जिसमे रोगों की पहचान,लक्षण, व उपचार के बारे में पशु पालको का क्षमतावार्चन किया गया|
- संस्था द्वारा पशु पालक व सरकारी पशु चिकित्सालय का समन्वय स्थापित कराया गया
- 6 लाभार्थियों को बकरियों के रहने हेतु, 6 बकरी घर का निर्माण कराया गया

• कुल उपलब्धियाँ :-

सहयोग किये गए बकरियों की संख्या -

नर मेमना - 3

मादा मेमना- 10

बकरी - 50

कुल बकरियों की संख्या - 63

वर्तमान में कुल बकरियों की संख्या -

नर मेमना - 16

मादा मेमना- 29

बकरी - 50

कुल बकरियों की संख्या - 95

- **बकरी पालक के परिवार में बकरियों के रहने की उचित व्यवस्था हेतु बकरी घर का निर्माण हुआ - 6**
- **वर्तमान में दी गई बकरियों से लाभार्थी परिवार में आय की वृद्धि - लगभग रु० 15000 से 20000**
- **बकरी सहयोग से परिवार में बच्चो के शिक्षा से जुडाव हो पाया - 57 बच्चो का जुडाव हुआ**

सुझाव व आगे की योजना:-

- **लाभार्थी परवारो का वार्षिक आय बढाने के लिए NRLM विभाग से लिंकेज कराना।**
- **मनरेगा के अंतर्गत जॉब बनवाना व कार्य उपलब्ध कराने में मदद करना ।**
- **उन्नत प्रशिक्षण शिविर का विस्तार किया जाना ।**
- **उन्नतशील खेती के लिए लाभार्थी परिवारों को कृषि विज्ञानं केंद्र से जुडाव करवा कर क्षमतावार्धन कराना**
- **पात्र लाभार्थी परिवारों का सामाजिक सुरक्षा योजनो से जुडाव कराना**
- **पशु पालक पाठशाल के माध्यम से बकरियों के रोग की पहचान,उपचार, व प्रबंधन पर क्षमतावार्धन करना।**
- **सरकारी पशु चिकित्सालय के सहयोग से बकरियों का टीकाकरण व कृमिकरण कैंप आयोजन कराना ।**

चुनौतिया :-

- पेट फूलना व बुखार से मेमनों की मृत्यु हो गई|
- सरकारी विभाग में पशु चिकित्सक का पहुच न हो पाना जिसके कारण समय से बकरियों का इलाज न मिल पाना|
- क्षेत्र में बकरियों को होने रोगों व लक्षण की पहचान न हो पाना|
- समय पर बकरियों का टीकाकरण व कृमिकरण न हो पाना
- दवा से असुरक्षा का अभाव
- समुदाय के लोगों मे भ्रान्तियां
- त्वरित लाभ की अपेक्षा
- समय का अभाव
- पैरावेट की उपल्बधता का ना होना।
- पशु चिकित्सालय का लोगों का कार्य के प्रति उदानशीनता।

फोटो गैलरी :-

फालोअप :-

पशु पालक पाठशाला :-

Iphone 16 pro max
09 December 2024 12:31 pm